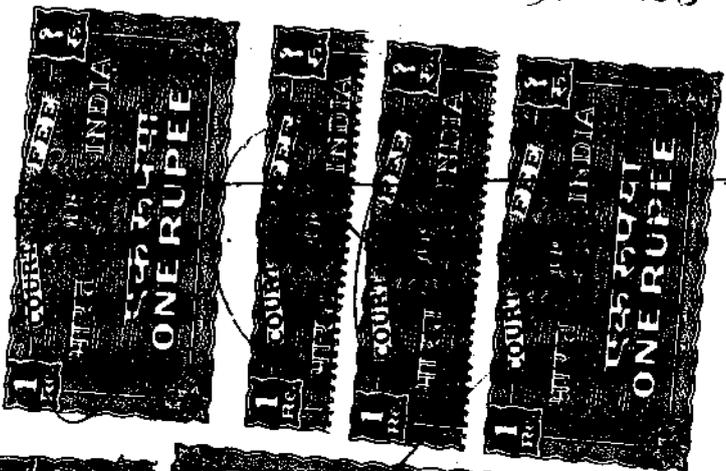


प्रकरण क्रमांक! - 285 - III / 78 (श्रीविक्रम)

3/9/02



अगतगुरु बांकवाचार्य स्वामी श्री ब्रान्तानन्द सा  
खल निवास प्रयाग प्राची

विदुह

बांकवाचार्य स्वामी स्वकृपानन्द स्वकी  
परमहंसी छांटा, कोतेखुवर तहसीर  
जोटेगोप जिला नरसिंहपुर एवं अ

प्रतिप्राची गण



3/9/02

आवेदन करते माननीय उच्चन्यायालय, अवलपुर  
द्वारा पारित आदेश के पालन में प्रकरण  
सुनवाही वागत।

श्रीमान महोदय,

प्रतिप्राची गण का प्राथमिक निम्न प्रकार है

1- यह निष्प्राची गण का उक्त प्रकरण बहुत समय से  
लम्बित है माननीय उच्चन्यायालय अवलपुर द्वारा  
मी आपने आदेश दिनांक 15/2/99 द्वारा उक्त प्रकार  
को ओस्मिनल नम्बर पर पुनः सुनवाही हेतु  
आदेशित किया है।

2- यह कि उक्त प्रकरण में पुनः सुनवाही हेतु  
नियत कबके बाबत माननीय न्यायालय से  
प्रापना सादर प्रस्तुत है।

अतः प्रापना है कि प्राची एवं प्राची गण  
ओरिस जायी करके का कार्य करें।

प्रतिप्राची गण

1 A (1)

समलग्न :-

1 माननीय उच्चन्यायालय अवलपुर के  
आदेश की सत्य प्रतिलिपि।

2 पकालन नामा -

स्वामी श्री स्वकृपानन्द स्व

अभिभाषक

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निग0 255-दो/78

जिला - नरसिंहपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
01-8-16	<p>प्रकरण का अवलोकन किया । इस प्रकरण में पूर्व में दिनांक 8.4.83 को आदेश पारित किया जाकर यह प्रकरण अदम पैरवी में निरस्त किया गया था और आवेदक द्वारा इसके पुर्नस्थापन हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र भी दिनांक 25.7.83 को निरस्त किया गया इस न्यायालय के आदेश के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय में विविध याचिका क्रमांक 1937/1985 प्रस्तुत किए जाने पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 15-2-99 को आदेश पारित कर मूल निगरानी पुर्नस्थापित कर उसका गुणदोष पर निराकरण किये जाने के निर्देश दिये हैं । माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में यह निगरानी लगभग 15 साल से भी अधिक समय से गुणदोष पर निराकरण हेतु लंबित है और उभयपक्षों के अभिभाषकों से अनेक बाद दस्तावेज मांगे जाने पर उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराये गये हैं ना ही अधीनस्थ न्यायालयों द्वारा उनका अभिलेख बार-बार स्मरण पत्र भेजने के उपरांत उपलब्ध कराया जा रहा है । ऐसी स्थिति में इस प्रकरण का निराकरण गुणदोष पर किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है । दर्शित परिस्थिति में यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है ।</p>	<p> सदस्य</p>